Title: Requested the Government to adopt modern techniques to control and prevent recurring incidents of fire breaking out in the Mathura Refinery.

श्री रामजी लाल ्सुमन : उपाध्यक्ष महोद्य, 21 मई को मथुरा रिफा्यनरी में चिमनी में आग लग गई। ्यह ्बहुत ही गं्भीर घटना है। मथुरा रिफा्यनरी में चार महीने पहले ्भी आग लगी थी और उ्स्से पहले जुलाई, 1988 में ्भी आग लगी थी।

उपाध्यक्ष महोद्य : रामजी लाल जी, आप ्भााण मत करि्ये। आप वि्ा्य् को ्बताइ्ये और ्सरकार ्से क्या एक्सपैक्ट करते हैं?

श्री रामजी लाल ्सुमन (फिरोजा्बाद): मैं ्भााण नहीं दे रहा हूं। मैं इतनी ्बड़ी घटना ्बता रहा हूं। उपाध्यक्ष महोद्य, आ्ये दिन मथुरा रिफा्यनरी में आग लगती रहती है। ्वहां एहति्यात ्बरतने के लि्ये और उ्सकी ्समुचित व्य्व्स्था करने के लि्ये ्सरकार द्वारा कोई कारगर उपा्य नहीं कि्ये ग्ये हैं। अगर आने ्वाले दिनों में मथुरा रिफा्यनरी में लगी आग को का्बू करने के लि्ये एहति्यात नही ्बरती गई तो मथुरा के आ्सपा्स के जिले आगरा, ्भरतपुर आदि इ्सकी चपेट में आ जा्येंगे।

मेरा इ्स ्सरकार ्से आपके माध्यम ्से ्यही कहना है कि मथुरा रिफाइनरी में आग न लगे, इ्सके लिए ्सरकार को एहति्यात ्बरतना चाहिए तथा रिफाइनरी में अत्यधिक आधुनिक तरीकों ्से आग पर का्बू करना चाहिए।â€¦(व्य्वधान)

उपाध्यक्ष महोद्य : अगर आप इ्सी तरह ्से इन्टरप्ट करोगे तो मैं आपको चान््स नहीं दूंगा। मैं ्स्बको ्बुलाऊंगा, आप इ्स तरह ्से क्यों करते हो।